B.A.B.Ed(SEMESTER-V) Examination,October/November 2019

HINDI (Paper-V)

Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhktikaal

Duration: 2 Hours **Total Marks: 70**

प्र.1.निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(3 x 5 = 15)**

I. आदिकाल को 'वीरगाथा काल' किसने कहा और क्यों ?
II. आदिकालीन समाज की वर्ण व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
III. सरहपा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
IV. 'कटुक वचन' के संबंध में कबीर के क्या विचार हैं ?
V. 'लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल' कबीर इस पंक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहते है ?

प्र.2.निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(3 x 5 = 15)**

I. 'अकबर एक दूरदर्शी, प्रतिभासंपन्न और कुशल शासक था' – प्रकाश डालिए।
II. रामकाव्य में चित्रित 'दास्य भक्ति' की चर्चा कीजिए।
III. रैदास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
IV. 'अपनी कहैं मेरी सुनै'....पंक्ति का अभिप्राय बताइए।
V. कबीर अपने आपको संसार में दुःखी क्यों मानते है ?

प्र.3.अ. निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(05)**

i) मेरा तेरा मनुआँ कैसे इक होई रे।
मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागद की देखी।
मैं कहता सुरझावनहारी, तू राख्यौ उरझाई रे।
मैं कहता तू जागत रहियो, तू रहता है सोई रे।
मैं कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोहि रे।
जुगत जगत समुझावत हारा, कही न मानत कोई रे।
तू तो रंडी फिरै बिहंडी, सब धन डारे खोई रे।
सतगुरू धारा निर्मल बाह, वामै काया धोई रे।
कहत कबीर सुनो भाइ साधो, तब ही वैसा होई रे।

अथवा

ii) अविनासी दुल्हा कब मिलिहौ, भक्तन के रछपाल।
जल उपजी जल ही सों नेहा, रटत पियास पियास।
मैं ठाढी बिरहन मग जोऊँ, प्रियतम तुमरी आस।
छोडे गेह नेह लाग तुम सो, भइ चरन लवलीन।
ताला-बेलि होति घर भीतरी, जैसे जल बिन मीन।
दिवस न भूख रैन नहिं निद्रा, घर अँगना न सुहाय।

Scanned by CamScanner

सेजिंरिया बैरिन भई हमको, जागत रैन बिताय।
हम तो तुमरी दासी सजना, तुम हमरे भरतार।
दीन-दयाल दया करि आओ, समरथ सिरजनहार।
कै हम प्रान तजति है प्यारे, कै अपनी कर लेव।
दास कबीरा बिरहा अति वाढेव, हमको दरसन देव।

आ.i) कबीर द्वारा वर्णित आध्यात्मिक विवाह का चित्रण कीजिए। **(05)**

अथवा

ii) पठित पदों के आधार पर कबीर के नीतिपरक चिंतन का विश्लेषण कीजिए। **(05)**

प्र.4.अ.आदिकालीन धार्मिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। **(10)**

अथवा

आ.टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

i) जैन साहित्य।

ii) चारण काव्य में जन-जीवन के चित्रण का अभाव।

प्र.5.अ. भक्तिकालीन सामाजिक एवं धार्मिक परिवेश पर प्रकाश डालिए। **(10)**

अथवा

आ.टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

i) सूफी काव्य।

ii) सूरदास।

प्र.6.अ. नाथ काव्य की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **(10)**

अथवा

आ.टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

i) सगुण और निर्गुण भक्ति में अंतर।

ii) कृष्ण काव्य

Scanned by CamScanner